तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
27.03.26	पत्रावली पेश हुई। न्यायालय समय में अधिवक्ता वादी एवं वादी के नाम से अलग-अलग समय पर तीन बार आवाज दिलाई गई। कोई उपस्थित नहीं। इससे स्पष्ट होता है कि अधिवक्ता वादी व स्वयं वादी अपने वाद को लेकर गंभीर नहीं है। लिहाजा वादी का वाद 'अदम पैरवी' व 'अदम हाजिरी' में इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो व नंबर से कम हो। सहायक कलक्टर (SDO) बाड़मेर